भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2710 का उत्तर

लंबी दूरी के रेल मार्गों पर अत्यधिक भीड़-भाड़

2710. श्री कार्ती पी. चिदम्बरम:

श्री परषोत्तमभाई रुपाला:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश के प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर कार्यभार संभालने, कर्मचारियों की संख्या का मूल्यांकन करने और परिचालन प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार लंबी दूरी के रेल मार्गों पर खतरनाक और लगातार अत्यधिक भीड़-भाड़ के परिणामस्वरूप यात्रियों को होने वाली असुविधा, सुरक्षा संबंधी चिंताओं और यात्रा की खराब स्थितियों के बारे में होने वाली व्यापक शिकायतों के बारे में अवगत है;

(ग) सरकार द्वारा अत्यधिक मांग वाले मार्गों पर भीड़-भाड़ से निपटने के लिए अतिरिक्त रेलगाड़ियां चलाना, सेवा फेरों में वृद्धि करना अथवा सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा में वृद्धि करने के लिए मौजूदा सेवाओं में वृद्धि किए जाने सहित क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का कुछ चुनिंदा लोगों के लिए लक्जरी/प्रीमियम परियोजनाओं पर असंगत रूप से ध्यान केन्द्रित करने के बजाय इन समस्याओं के समाधान हेतु नियमित, अधिक फेरों (हाई फ्रीक्वेन्सी) वाली रेल सेवाओं के विस्तार और सुधार को प्राथमिकता देने का विचार है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, भारतीय रेल विभिन्न प्रकार की नियमित गाड़ियों के अलावा, यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान स्पेशल ट्रेन सेवाएं भी चलाती है।

तदनुसार, वर्ष 2024 में, होली और गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को सीटें मुहैया कराने के लिए स्पेशल ट्रेनों के 13523 फेरे परिचालित किए गए थे।

दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ के दौरान भीड़ को संभालने के लिए, लगभग 1.8 करोड़ यात्रियों को सेवित करने के लिए 01 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 की अवधि के दौरान स्पेशल ट्रेनों के 7990 फेरे परिचालित किए गए।

भारतीय रेल यात्रियों को विभिन्न श्रेणियों में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध कराने के लिए स्थायी और अस्थायी, दोनों आधार पर गाड़ियों में सवारी डिब्बों की संख्या भी बढ़ाती है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, 872 सवारी डिब्बों और वर्ष 2024-25 के दौरान (नवम्बर, 2024 तक) स्थायी आधार पर गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए 774 सवारी डिब्बों का इस्तेमाल किया गया।

इसके अलावा, यात्रियों के लिए सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित स्लीपर श्रेणी के सवारी डिब्बों में अतिरिक्त स्थान मुहैया कराने के लिए, मौजूदा नीति के अंतर्गत मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना के संबंध में 22 डिब्बों वाली गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित स्लीपर श्रेणी के सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है, जिससे सामान्य और गैर-वातानुकूलित स्लीपर श्रेणी के सवारी डिब्बों के यात्रियों को अधिक स्थान मिल सके। इसके अतिरिक्त इस समय गाड़ी सेवाओं के परिचालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल सवारी डिब्बों में से दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित हैं, और एक-तिहाई वातानुकूलित हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने अमृत भारत सेवाएं शुरू की हैं, जिनमें अत्याधुनिक प्रौद्यौगिकी है और ये झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, हॉरिजॉन्टल स्लाइडिंग विंडो, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बोतल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाओं से युक्त हैं। ये सेवाएं, जो पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित गाड़ियां हैं, जिनमें वर्तमान में 12 श्रेणी के शयनयान सवारी डिब्बे और 8 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे शामिल हैं, यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

इसके अलावा, परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य और संसाधनों की उपलब्धता के अध्यधीन भारतीय रेल पर नई गाड़ियां चलाना, गाड़ियों के फेरे बढ़ाना और गाड़ियों का विस्तार एक सतत् प्रक्रिया है।

रेलवे स्टेशनों पर स्टेशनों के वर्गीकरण, रोजगार विनियमों (एचओईआर) के घंटों के आधार पर ड्यूटी के घंटों और विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्धारित जनशक्ति मानदंडों के आधार पर पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध कराई जाती है।

नई प्रौद्योगिकियों की शुरूआत, बदलती कार्य प्रणालियों, नई परिसंपत्तियों के सृजन आदि को ध्यान में रखते हुए जनशक्ति की आवश्यकता की निरंतर समीक्षा की जाती है।

भारतीय रेल पर इसके आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन के महत्व को ध्यान में रखते हुए रिक्तियों का होना और भरा जाना सतत् प्रक्रिया है। रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं के अनुसार भर्ती एजेंसियों को रेलवे द्वारा मांग-पत्र जारी करके भरा जाता है।

कोविड-19 के कारण लागू प्रतिबंधों में शिथिलता के बाद, 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों की दो प्रमुख परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं।

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	केंद्र	दिन	पालियां
स्तर 2- स्तर 6	1.26 करोड़	211	726	68	133
स्तर -1	1.1 करोड़	191	551	33	99

इन परीक्षाओं के आधार पर रेलवे में 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गई है।

भारतीय रेल में 2004-2014 की तुलना में 2014-2024 के दौरान की गई भर्ती निम्नानुसार है।

अवधि	भर्तियां
2004-14	4.11 लाख
2014-24	5.02 लाख

इनमें से अधिकांश भर्तियां परिचालन और संरक्षा कोटियों में हैं।

इसके अलावा, प्रणाली में सुधार के रूप में, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर की शुरूआत से अभ्यार्थियों को निम्नलिखित तरीके से लाभ होगा:

- **उम्मीदवारों के लिए अधिक अवसर;**
- **प्रत्येक वर्ष पात्र बनने वालों के लिए अवसर;**
- **परीक्षाओं की निश्चितता;**
- **भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी**

तदनुसार, सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) में उप-निरीक्षकों और कांस्टेबलों, जूनियर इंजीनियर/डिपो सामग्री अधीक्षक/रासायनिक और धातुकर्म सहायक, पैरा-मेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी प्रचलित कोटियों (स्नातक) और गैर-तकनीकी प्रचलित कोटियों (पूर्व-स्नातक) के पदों को भरने के लिए जनवरी से अक्टूबर 2024 के दौरान 58,642 रिक्तियों के लिए आठ केंद्रीकृत अधिसूचनाएं अधिसूचित की गई हैं।

कंप्यूटर आधारित परीक्षा 25.11.2024 से शुरू हो गयी हैं।

*****